लघु शोध प्रबन्ध हेतु

दिशा निर्देशिका

2017–18

मास्टर ऑफ लॉ

Master of Law

(LMP- 111)

Dissertation

मास्टर ऑफ लॉ
एल0 एल0 एम0 द्वितीय वर्ष
लघु शोध प्रबन्ध LMP -111
वर्ष 2017–18
एल0एल0एम0 (विधि परास्नातक)लघु शोध प्रबन्ध जमा करने हेतु दिशा निर्देश

एल0एल0एम0 उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु शोध प्रबन्ध पर्यवेक्षकों की योग्यताः–

- उत्तराखण्ड अथवा भारत के नियन्त्रणाधीन अन्य किसी राज्य में स्थित विश्वविद्यालय एवं भारतीय विधिज्ञ परिषद (Bar council if india) से मान्यता प्राप्त महाविद्यालय/विधि संकाय में नियमित एवं पूर्णकालिक रूप से कार्यरत शिक्षक या अवकाश प्राप्त शिक्षक।

अथवा

- विधि विषय में विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/स्ववित्त पोषित संस्थानों में कार्यरत शिक्षक जो एल0एल0एम0 की कक्षाओं के अध्यापन का दो वर्षो का न्यूनतम अनुभव रखते हों।

अथवा

- एल0एल0एम0 उपाधिधारक अपर सत्र न्यायाधीश या उससे ऊँचे पद पर पदस्त हो या रहें हो।

अथवा

- उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा मान्याता प्राप्त अध्ययन केन्द्रों में नियुक्त विधि विषय के परामर्शक जिन्हे न्यूनतम दो वर्षे का विधिक शैक्षिक अनुभव हो।

अथवा

- एल0एल0एम0 उपाधिधारक अधिवक्ता जिसे विधि व्यवसाय का 10 वर्षो का अनुभव हो।

❖विद्यार्थियों हुेत दिशा निर्देशः

1. लघु शोध प्रबन्ध के विषय (शीर्षक) का प्रस्ताव पर्यवेक्षको के बायोडाटा को संलग्न कर स्वीकृति हेतु विश्वविद्यालय के विधि विषय के समन्वयक से अनुमति प्राप्त कर अपना लघु शोध कार्य प्रारम्भ करें। प्रस्ताव की अनुमती ई– मेल के माध्यम से प्राप्त कर सकते है। लघु शोध प्रबन्ध का विषय एल.एल.एम कार्यक्रम में पठित विषयों में से हो सकता है जिस विषय पर पूर्व में शोध कार्य सम्पन्न ना हुआ हो। कुछ शोध विषयों की उदाहरर्णाथ सूची निर्देशो के अन्त में संलग्न है।
2. लघु शोध प्रबन्ध का शुल्क परीक्षा के साथ 1000 रू0 (एक हजार रू0) जमा करना आवश्यक होगा।
3. लघु शोध प्रबन्ध को निश्चित तिथि में जमा न करने पर परीक्षा परिणाम को बाधित कर दिया जायेगा।
4. लघु शोध प्रबन्ध का मूल्यांकन बाह्रा र्प्यवेक्षकों द्वारा नियमानुसार किया जायेगा बाह्रा परीक्षको को विश्वद्यिालय द्वारा नामित किया जायेगा।
5. लघु शोध प्रबन्ध का पुर्नमुल्यांकन नहीं किया जायेगाा पर्यवेक्षक द्वारा किया गया मुल्यांकन अन्तिम होगा, और न ही छात्र को अन्य परिवर्तित विषय (शीर्षक) पुनः प्राप्त करने की अनुमति दी जायेगी। परन्तु किसी कारणवश छात्र द्वारा प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध में उत्तीर्ण न्यूनतम अंको से कम अंक प्राप्त होते है तो छात्र पूर्व के उसी विषय (शीर्षक) में संशोधन लघु शोध प्रबन्ध तीन माह के भीतर विश्वविद्यालय में जमा करवायेगा (तीन माह की गणना परिणाम घेषित तिथि से मानी जायेगी)।
6. संशोधन लघु शोध प्रबन्ध हेतु छात्र को पुनः अतिरिक्त शुल्क साथ 1000 रू0 (एक हजार रू0) विश्वविद्यालय में जमा करना होगा।
7. दिये गये विषय पर अधिकतम 130 पृष्ठों का प्रमाणिक लेखन कर विश्वद्यिालय के विधि विभाग में पूर्व में प्रस्तुत विषय (शीर्षक) प्रस्ताव स्वीकृत प्रपत्र एवं पर्यवेक्षक के बायोडाटा सहित हार्ड एवं सॉफ्ट (सी0डी0) कापी में जमा करना होगा।
8. प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्ध के मुल्यांकन हेतु छात्र को लगभग 300 (तीन सौ) शब्दों का शोध सारांश लघु शोध प्रबन्ध के साथ प्रस्तुत करना होगा।
9. विश्वविद्यायल में लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना अनिवार्य है। विलम्ब से प्राप्त लघु शोध को विलम्ब शुल्क के साथ ज्मा किया जायेगा।
10. विश्वविद्यालय को भेजा गया लघु शोध प्रबन्ध विद्यार्थियों को वापस नहीं किया जायेगा।
11. विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि अपना शोध अध्ययन स्वयं करें। नकल किया गया शोध प्रबन्ध स्वीकार नहीं किया जायेगा।
12. यदि वि0वि0 द्वारा किन्ही दो विद्यार्थियों के शोध प्रबन्ध का विषय एवं क्षेत्र समान पाया गया अथवा अनुवाद करके दूसरे विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत किया गया तो उनका लघु शोध प्रबन्ध निरस्त कर दिया जायेगा।

13. विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने लघु शोध प्रबन्ध एवं शोध प्रबन्ध प्रस्ताव की दो प्रतियाँ तैयार करे जिसमें से एक वि0वि0 हेतु एवं दूसरी विद्यार्थी के स्वयं के लिए होगी जिसे मौखिक परीक्षा के समय प्रस्तुत कर स्वयं अपने साथ ले जा सकता है।
14. आपका लघु शोध प्रबन्ध / Dissertation डबल स्पेस Time New Roman 12 फॉंट एवं Kruti Dev 010 फ्रॉट 14 ए.फोर साईज पेपर में होना चाहिए।
15. लघु शोध प्रबन्ध टाईप होने के पश्चात आपके द्वारा पुनः टाईपिंग अशुद्धियों को देखकर उनको शुद्ध करा लिया जाए। शोध प्रबन्ध में पेज न0 अवश्य डालें।
16. शोध प्रबन्ध प्रस्ताव एवं लघु शोध प्रबन्ध की बाइड़िग हार्ड कवर पेज के साथ होनी चाहिए।
17. लघु शोध प्रबन्ध के प्रथम पन्ने पर विद्यार्थी का नाम, नामांकन संख्या पूरा पता पर्यवेक्षक का नाम व पता उल्लिखित होना चाहिए जिसका प्रारूप संलग्न है।
18. लघु शोध प्रबन्ध के साथ विद्यार्थियों को इस पुस्तिका के अन्तिम भाग में संलग्न तीन प्रोफॉर्म को भरकर शोध प्रबन्ध के साथ ही संलग्न करना परम आवश्यक है।
19. लघु शोध प्रबन्ध के लिए 150 अंक निर्धरित किए गए है। विद्यार्थियों को लघु शोघ प्रबन्ध की दो प्रतियाँ तैयार करनी होंगी इसकी एक प्रति विश्वविद्यालय के विधि विभाग में 28 फरवरी 2018 तक जमा करनी होगी। और दूसरी प्रति मौखिक परीक्षा के समय परिक्षक के सम्मुख प्रस्तुत करनी होगी। मौखिक परीक्षा 50 अंको की निर्धारित है। जिसकी सूचना यथावसर विद्यार्थी को दे दी जायेगी।

    लघु शोध प्रबन्ध के प्रस्ताव को निम्नलिखित पते व ई– मेल पर विद्यार्थी स्वयं भेज सकते है। शोध शीर्षक के प्रस्ताव की अनुमती विद्यार्थी को ई– मेल के माध्यम से प्रेषित की जायेगी।

विधि विद्या शाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
ट्रासपोर्ट नगर के पीछे (तीन पानी बाईपास)
हल्द्वानी, पिन–263139

School of Law
Uttarakhand Open University
Behind Transport Nagar
(Teen Pani By Pas)
Haldwani- 263139

E.mail. deepankurjoshi@uou.ac.in

एल0एल0एम (विधि परास्नातक) की उपाधि के लघु शोध के प्रस्ताव का प्रारूप

Outline of the proposal of LL.M (Dissertation)

लघु शोध प्रबन्ध के प्रस्ताव को निम्न शीर्षक के अन्तर्गत होना चाहिए।

The Dissertation proposal must have the following components

1.1 शोध परिचय–अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व
Need and significance of the study

1.2 शोध शीर्षक
Title of the study

1.3 शोध अध्ययन में प्रयुक्त पदों/प्रत्ययों की परिभाषा
Definition of the terms concepts involved in Title the study

1.4 शोध अध्ययन के उद्देश्य
Objectives of the study.

1.5 प्राक्कल्पनाएँ (यदि है तो)
Hypotheses (if any)

1.6 शोध प्रारूप (शोध, विधि, न्यादर्श, प्रारूप, आकड़े संग्रहण उपकरण, सांख्यिकीय प्रविधि)
Research Design (Research Methodology, Sampling Design, Data, Gathering, Instruments, and Statistical techniques)

1.7 शोध कार्य का परिसीमन
Delimitations of the study Reference.

1.8 सन्दर्भ ग्रन्थ
Reference.

PROFORMA FOR APPROVAL OF MASTER OF LAW (LL. M) DISSERTATION PROPOSAL

2017-18

School of law
Uttarakhand Open University
Haldwani (Nainital) Uttarakhand

Performa for approval of master of law (LL.M) dissertation proposal
(Only hard copy accepted)

Note. (1) Please ensure that all entries Performa are correctly filled –in

(2) The filled in Performa along with dissertation proposal should be submitted to the coordinator school of law Uttarakhand Open University, Haldwani

Dissertation proposal no………………………………… to be filled by the student

(For office use only)

Enrolment no………………………………..

Study Center Name with code No

Regional Centre

1. Name of Address of the Student………………………………………………………

………………………………………………………..

………………………………………………………..

2. Email id ………………………………………………………

3. Telephone no ………………………………………………………

4. Title of the Dissertation ………………………………………………………

………………………………………………………..

5. Name and Address of Guide ……………………………………………………..

………………………………………………………

6. Qualification & Experience of Guide ………………………………………………………

7. (Please enclose bio- data of Guide

Signature of the guide
Date

Signature of the student
date

For office use only

Approved Not approved

.....

Signature of the dissertation proposal

Evaluator (Law Department UOU)

If not approved, please give suggestion For reformulating the proposal in the Enclosed sheet)
The page of dissertation

Date.....

लघु शोध प्रबन्ध के प्रस्ताव को निम्नलिखित पते व ई– मेल पर विद्यार्थी स्वयं भेज सकते है। शोध शीर्षक के प्रस्ताव की अनुमती विद्यार्थी को ई– मेल के माध्यम से प्रेषित की जायेगी।

विधि विद्या शाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
ट्रासपोर्ट नगर के पीछे (तीन पानी बाईपास)
हल्द्वानी, पिन–263139

School of Law
Uttarakhand Open University
Behind Transport Nagar
(Teen Pani By Pas)
Haldwani- 263139

E.mail. deepankurjoshi@uou.ac.in

Title of the Study

Dissertation Submitted
to
Uttarakhand Open University
For the Partial fulfillment of the Degree of
MASTER OF LAW

Name of the Supervisor

Name of the Researcher
Enrolment Number

(Academic year)
School of Law
Uttarakhand Open University
Haldwani (Nainital) Uttarakhand

(शोध शीर्षक)

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के विधि विषय में स्नातकोत्तर उपाधि की प्राप्ति हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबन्धन

शोध निर्देशक का नाम

शोधकर्ता का नाम

नामांकन संख्या

अकादमिक सत्र

विधि विद्याशाखा

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (नैनीताल)

उत्तराखण्ड

EXAMPLE OF SOME TOPICS FOR MAKING DISSERTATION

1. Effectiveness of Commercial Laws to meet the needs of the current community.
2. Role of Trade Unions in Employment Laws.
3. Impact of Intellectual Property Rights in Indian Economy.
4. Protection to Minority Shareholders in the Company.
5. Effectiveness of Copyright Laws in India.
6. Role of Shareholders and Stakeholders in Corporate Governance.
7. Rights of Transgender.
8. G.S.T: A Welcome step to Indian Economy.
9. Demonetization: Success and Failures.
10. Right to Privacy.